Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 02 July 2024

Dainik Jagran
Page - 02, 04

ऐश्वा फाउंडेशन ने गोवि में लगाया आरओ प्लांट

गोवि में आरओ प्लांट का उद्घाटन करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य • जागरण

जासं, गोरखपुर : ऐश्वा फाउंडेशन की ओर से सोमवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक से युक्त 800 लीटर की क्षमता वाला आरओ प्लांट लगवाया गया। फाउंडेशन के सीमित सदंफ की उपस्थिति में प्लांट का लोकार्पण कुलपति प्रो. पूनम टंडन के हाथों हुआ। अभिज्ञाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दूबे, ऐश्वा समूह के अतुल सराफ, अनूप सराफ, शांतुन सराफ आदि मौजूद रहे।

कुलपति ने किया मोजेक पत्रिका का विमोचन

गोरखपुर: सेंट पाल स्कूल में संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन द्वारा मोजेक पत्रिका का विमोचन किया। डीडीयू ने तीन लाख छात्रों में एसडीजी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पत्रिका के संस्थापक अमरीश चंद्रा के साथ साझेदारी की है। कुलपति ने इस दौरान कहा कि एसडीजी के प्रति लक्ष्यों को अपना करके हम संयुक्त राष्ट्र के निर्धारित लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। इस दौरान अमरीश चंद्रा ने कहा कि यह विकास के लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण कदम होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद सांसद रवि किशन और कमिश्नर अनिल दीगरा ने कहा कि यह बहुत ही सराहनीय कदम है। इस दौरान सुधीर मिश्रा, अनुराग बत्रा, मिहिर श्रीवास्तव, डॉ. सोनम महाजन, रोहित बोस प्रो. डी. दिव्या रानी सिंह, प्रो. अनभूति, रेखा गिरीश पंडे मौजूद रहे।

इतिहास विभाग के अध्यक्ष बने प्रो. मनोज तिवारी

प्रो. मनोज तिवारी

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. चंद्रभूषण गुप्त का कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो गया।

वक्रानुक्रम में उन्होंने सोमवार को इस पद का दायित्व प्रो. मनोज तिवारी को सौंप दिया। प्रो. तिवारी ने कार्यभार ग्रहण के बाद विभाग के अन्य शिक्षकों के साथ कुलपति प्रो. पूनम टंडन से शिष्टाचार मुलाकात की और अध्यक्ष के रूप में विभाग को लेकर अपना विजन स्पष्ट किया। उन्होंने कुलपति को बताया कि विभाग में गुणवत्तापूर्ण शोध पर जोर दिया जाएगा। अकादमिक वातावरण को बनाए रखने पर बल होगा। शिक्षक-छात्र संवाद को बनाए रखा जाएगा।

प्रो. राजेश ने संभाला अधिष्ठाता का कार्यभार

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में सोमवार को वरिष्ठ आचार्य प्रो. राजेश कुमार सिंह ने अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता पद ग्रहण किया। 30 जून को प्रो. सरिता पांडेय का कार्यकाल समाप्त हुआ तो उन्होंने प्रो. राजेश को कार्यभार सौंपा। कार्यभार ग्रहण करने के बाद पूर्व अध्यक्ष व नए अध्यक्ष ने अपने विभाग के सभी शिक्षकों के साथ कुलपति प्रो. पूनम टंडन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर प्रो. सरिता पांडेय, प्रो. सुनीता दूबे, डा. मीतू सिंह, डा. अनुपम सिंह, डा. दुर्गेश पाल, डा. लक्ष्मी आदि मौजूद रहीं।

Amar Ujala
Page - 04, 06

डीडीयू : कला संकाय के पास स्थापित हुआ आरओ वाटर प्लांट

ऐश्वा फाउंडेशन की ओर से स्थापित वाटर प्लांट का कुलपति ने किया लोकार्पण

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय परिसर में सोमवार को ऐश्वा फाउंडेशन की ओर से स्थापित 800 लीटर क्षमता के निशुल्क आरओ वॉटर प्लांट का लोकार्पण कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया।

इस प्लांट से छात्रों, शिक्षक व कर्मचारियों को शुद्ध व शीतल पेयजल मिलेगा। आरओ प्लांट से जल संरक्षण भी होगा, इसके वॉटर प्यूरीफायर से निकलने वाला वेस्ट पानी वॉटर हार्वेस्टिंग तकनीक से वापस भूगर्भ में चला जाएगा। अभी तक फाउंडेशन की तरफ से कुल 20 निशुल्क आरओ व चिल्ड वॉटर प्लांट लगाए जा चुके हैं।

इससे पूर्व ऐश्वा समूह ने विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप परिसर में भी आरओ प्लांट लगाया है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि बड़ी संख्या में छात्र विश्वविद्यालय में अध्ययन करते हैं, जिनके लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। ऐश्वा फाउंडेशन की यह पहल स्वागत योग्य है। इससे लाभ यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के साथ ही हमारे कर्मचारियों को भी मिलेगा।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में ऐश्वा फाउंडेशन की ओर से लगा संकाय परिसर में स्थापित आरओ वाटर प्लांट का लोकार्पण करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन साथ में ऐश्वा समूह के सीमित सदाफ व अन्य। अमर उजाला

डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे ने बताया कि इस वॉटर कूलर के लगाए जाने से मजीठिया भवन से लेकर दीक्षा भवन एवं झोड़ा परिषद भवन तक जाने वाले छात्र-छात्राओं को विशेष सुविधा मिलेगी।

ऐश्वा फाउंडेशन के सीमित सराफ ने कहा कि भीषण गर्मी में हम सब के लिए जल प्राणवायु की तरह है, लेकिन शुद्ध जल सभी के लिए उपलब्ध होना मुश्किल ही गया है।

कार्यक्रम में एसओडब्ल्यू प्रो. संदीप कुमार, ऐश्वा समूह के अतुल सराफ, अनूप सराफ, वैभव सराफ, शांतनु सराफ तथा समूह के अधिकारी भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के मुख्य नियंता प्रो. सतीश पांडेय, प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी, संपति अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

Hindustan
Page - 02, 04

ऐश्वा फाउंडेशन द्वारा लगाए वाटर कूलर उद्घाटन करती कुलपति व सीमित्र सराफ।

ऐश्वा फाउंडेशन ने लगवाया आरओ वाटर प्लांट

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय परिसर में सोमवार को ऐश्वा फाउंडेशन द्वारा स्थापित 800 लीटर क्षमता के निःशुल्क आरओ वाटर प्लांट का लोकार्पण कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि ऐश्वा फाउंडेशन की यह पहल स्वागत योग्य है। ऐश्वा फाउंडेशन के सीमित्र सराफ ने कहा कि आरओ प्लांट से जल संरक्षण भी होगा। कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे, एसओडब्ल्यू प्रो. संदीप कुमार, ऐश्वा समूह के अतुल सराफ, अनूप सराफ, वैभव सराफ, शांतनु सराफ तथा समूह के अधिकारी भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के मुख्य नियंता प्रो. सतीश पांडेय, प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी, संपति अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

डीडीयू : इसी सत्र से बदलेंगे विधि के पाठ्यक्रम

> बार काउंसिल ने नए कानून के अनुसार पहाई गई सर्कुलर जारी किया है। अब पाठ्यक्रम में बदलाव किया जाएगा। बोर्ड ऑफ स्टडीज से पाठ्यक्रम में बदलाव की तैयारी की जा रही है।
> - प्रो. अहमद नसीम, संकायाध्यक्ष

गोरखपुर, निज संवाददाता। केंद्र सरकार द्वारा आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट में बदलाव का असर विधि की पढ़ाई में भी दिखेगा। विधि के सभी वर्षों के कोर्सों में नए कानून को शामिल किया जाएगा। इसे लेकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने सर्कुलर जारी कर दिया है। न्यायक बदलाव को लेकर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में हलचल तेज हो गई है।

डीडीयू में विधि के पांच वर्षीय बीए एलएलबी, तीन वर्षीय एलएलबी और एलएलएम पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। सभी पाठ्यक्रमों के सभी वर्षों को मिलाकर कुल 1500 से अधिक विद्यार्थी यहां अध्ययन करते हैं। डीडीयू के अलावा पांच कॉलेजों में बीए एलएलबी की पढ़ाई होती है। डीडीयू के अलावा चार कॉलेजों में एलएलबी की पढ़ाई होती है।

एलएलएम कोर्स सिर्फ डीडीयू में संचालित होता है। डीडीयू और सभी कॉलेजों में मिलाकर करीब साढ़े तीन हजार से अधिक विद्यार्थी विधि की पढ़ाई करते हैं। देश में नया कानून लागू होने के बाद अब डीडीयू में भी पाठ्यक्रम बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। एलएलएम में क्रिमिनल लॉ हुए में आईपीसी पढ़ाई जाती है। अब सीएनएस पढ़ाई जाएगी। इसके अलावा बीए एलएलबी और एलएलबी के सभी सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में बदलाव किया जाएगा। नए पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए डीडीयू के विधि संकाय में बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक जल्द आयोजित की जाएगी।

गोरखपुर विश्वविद्यालय से प्रवेश परीक्षा देकर बाहर आते अभ्यर्थी। अमर उजाला

2340 अभ्यर्थियों ने डीडीयू में दी प्रवेश परीक्ष

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षाओं वे पांचवें दिन भी दोनों सत्रों में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। सुबह के सत्र में एमए प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, गृहविज्ञान और एमएससी गणित एवं एमएससी गृहविज्ञान की परीक्षा हुई, जिसमें 899 अभ्यर्थी शामिल हुए। शाम के सत्र में एमबीए और बीबीए की प्रवेश परीक्षा में 1441 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। मंगलवार को सुबह बीएससी ऑनर्स गणित एवं बीएससी गृहविज्ञान (गणित संवर्ग) और शाम को एमए (राजनीति विज्ञान), बीएजेएमसी, एमएससी (इलेक्ट्रॉनिक्स), पीजी डिप्लोमा गाइडेंस एंड काउंसिलिंग की परीक्षा होगी। संवाद

किसान हमेशा बने राजनीतिक परिवर्तन का आधार : संजीव

वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम के क्रम में सोमवार को राजनीतिक अर्थशास्त्र विषय पर चर्चा हुई। चर्चा में बतौर मुख्य वक्ता राजनीति अर्थशास्त्र विषय के विशेषज्ञ संजीव मुखर्जी ने कहा कि भारत में राजनीतिक अर्थशास्त्र में कृषि की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भूमि सुधार कानून, किसान आंदोलन हमेशा से राजनीतिक परिवर्तन का आधार बने हैं।

उन्होंने कहा कि आम चुनाव 2024 के नतीजे का विश्लेषण करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सत्ताधारी दल का जनाधार धीरे-धीरे खिसक रहा है। इस मुद्दे पर सत्ताधारी दल को सोचना होगा। उन्हें कृषि क्षेत्र पर ध्यान देकर किसानों को और खुश करना होगा। विगत दो दशक में कृषि क्षेत्र का विकास चार प्रतिशत के आसपास रहा है लेकिन इसका सकल घरेलू उत्पाद में योगदान 17 से 18 प्रतिशत ही रहा है।

यह योगदान इसलिए कम है क्योंकि देश के 44 प्रतिशत लोग आज भी कृषि क्षेत्र पर निर्भर हैं। आज की आवश्यकता है कि ग्रामीण इलाकों में कृषि आधारित उद्योगों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा दिया जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार सिंह ने की। संचालन और आभार ज्ञापन डा. महेंद्र कुमार सिंह ने किया।

Inext Page - 04

सेंट पॉल स्कूल ने आयोजित किया सिटी में जागरूकता अभियान

GORAKHPUR (1 July): सेंट पॉल स्कूल ने संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक सम्मेलन का आयोजन किया. यूनिवर्सिटी की वीसी प्रो. पूनम टंडन द्वारा मोजेक पत्रिका का विमोचन किया. डीडीयू ने तीन लाख छात्रों में एसडीजी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पत्रिका के संस्थापक अमरीश चंद्रा के साथ साझेदारी की है. वीसी ने इस दौरान कहा कि एसडीजी के प्रति लक्ष्यों को अपनाकर करके हम संयुक्त राष्ट्र के निर्धारित लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं. इस दौरान सुधीर मिश्रा, अनुराग बत्रा, मिहिर श्रीवास्तव, डॉ. सोनम महाजन, रोहित बोस, प्रो. डॉ. दिव्या रानी सिंह, प्रो. अनुभूति दुबे, गिरीश चंद्र मौजूद रहे.

ऐश्वा फाउंडेशन ने डीडीयू में चिल्ड आरो प्लांट का किया शुभारंभ

GORAKHPUR (1 July): ऐश्वा फाउंडेशन की ओर से सोमवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक से युक्त 800 लीटर की क्षमता वाला आरओ प्लांट लगवाया गया. फाउंडेशन के सीमित सर्राफ की उपस्थिति में प्लांट का लोकार्पण कुलपति प्रो. पूनम टंडन के हाथों हुआ. इस अवसर पर सीमित सर्राफ ने बताया कि ऐश्वा फाउंडेशन अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के क्रम में लोगों को आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं. अभी तक फाउंडेशन की ओर से कुल 20 निशुल्क आरओ वाटर प्लांट लगाए जा चुके हैं. कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि बड़ी संख्या में छात्र विश्वविद्यालय में अध्ययन करते हैं, जिनके लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता है. अभिज्ञाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दूबे ने बताया कि इस वाटर कूलर के लगाए जाने से मजीठिया भवन से लेकर दीक्षा भवन एवं झोड़ा परिषद भवन तक जाने वाले छात्र छात्राओं को विशेष सुविधा मिलेगी. इस दौरान कार्य अधीक्षक प्रो. संदीप कुमार, ऐश्वा समूह के अतुल सर्राफ, अनूप सर्राफ, शांतुन सर्राफ आदि मौजूद रहे.

Amar Ujala Select
Page - 04

गोरखपुर विश्वविद्यालय से प्रवेश परीक्षा देकर बाहर आते अभ्यर्थी।

2340 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षाओं के पांचवें दिन भी दोनों सत्रों में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। सुबह के सत्र में एमए प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, गृहविज्ञान और एमएससी गणित एवं एमएससी गृहविज्ञान की परीक्षा हुई, जिसमें 899 अभ्यर्थी शामिल हुए। शाम के सत्र में एमबीए और बीबीए की प्रवेश परीक्षा में 1441 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए।

Rashtriya Sahara Page - 07

ऐश्वा फाउंडेशन द्वारा विवि में स्थापित निःशुल्क आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट का लोकार्पण

गोरखपुर (एसएनबी)। सोमवार को ऐश्वा फाउंडेशन द्वारा दीना बिल्डिंग के कला संकाय परिसर में निशुल्क आरओ और चिल्ड वाटर (जीरा फिल्टर) प्लांट का कुलपति प्रो. पूनम अंतिम कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया। उपस्थित थे कुलपति

- शुद्ध व शीतल पेयजल मुहैया कराने के साथ ही जल संरक्षण करेगा प्लांट
- 800 लीटर है आरओ वाटर प्लांट की क्षमता

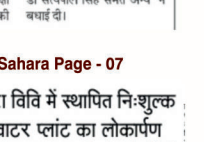

Gorakhpur Super Fast Times

ऐश्वा फाउंडेशन के आरओ वाटर प्लांट का डीडीयू कुलपति ने किया लोकार्पण

विश्वविद्यालय में लगा वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक से युक्त 800 लीटर क्षमता का पहला वाटर प्लांट

गोरखपुर। गोरखपुर संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षांत सभागार में सोमवार को ऐश्वा फाउंडेशन की ओर से लगाया गया वॉटर हार्वेस्टिंग तकनीक से युक्त 800 लीटर क्षमता के निशुल्क आरओ प्लांट का उद्घाटन कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया। इसे सीमित सर्राफ, अतुल सराफ, अनूप सराफ, शांतनु सराफ, वैभव सराफ, रोहित बोस, प्रो. डी. दिव्या रानी सिंह, प्रो. अनुभूति दुबे, प्रो. डॉ. सुधीर त्रिपाठी, डॉ. सोनम महाजन, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. मिहिर श्रीवास्तव, डॉ. अनुराग बत्रा, डॉ. रेखा गिरीश पांडेय, डॉ. अनुभूति, रेखा गिरीश पांडे मौजूद रहे। विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप परिसर में भी आरओ प्लांट लगाया है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि बड़ी संख्या में छात्र विश्वविद्यालय में अध्ययन करते हैं, जिनके लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। ऐश्वा फाउंडेशन की यह पहल स्वागत योग्य है। इससे लाभ यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के साथ ही हमारे कर्मचारियों को भी मिलेगा। डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे ने बताया कि इस वॉटर कूलर के लगाए जाने से मजीठिया भवन से लेकर दीक्षा भवन एवं झोड़ा परिषद भवन तक जाने वाले छात्र-छात्राओं को विशेष सुविधा मिलेगी। ऐश्वा फाउंडेशन के सीमित सराफ ने कहा कि भीषण गर्मी में हम सब के लिए जल प्राणवायु की तरह है, लेकिन शुद्ध जल सभी के लिए उपलब्ध होना मुश्किल ही गया है। कार्यक्रम में एसओडब्ल्यू प्रो. संदीप कुमार, ऐश्वा समूह के अतुल सराफ, अनूप सराफ, वैभव सराफ, शांतनु सराफ तथा समूह के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्य नियंता प्रो. सतीश पांडेय, प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी, डॉ. अमित आदि मौजूद रहे।

इतिहास विभाग के अध्यक्ष बने प्रो. मनोज तिवारी

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में सोमवार को प्रो. मनोज तिवारी ने नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। निवर्तमान अध्यक्ष प्रो. चंद्रभूषण गुप्त ने 30 जून को कार्यकाल पूरा कर सोमवार को प्रो. मनोज तिवारी को कार्यभार सौंपा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विविध विभागों के आचार्यों ने बधाई दी।

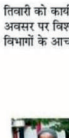

प्रो. मनोज तिवारी

प्रो. राजेश सिंह, प्रो. मनोज तिवारी ने कार्यभार संभाला

डीडीयू

- शिक्षाशास्त्र के संकायाध्यक्ष के पद पर नियुक्त हुए प्रो. राजेश
- मध्यकालीन इतिहास के अध्यक्ष बने हैं प्रो. मनोज तिवारी

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शिक्षाशास्त्र के संकायाध्यक्ष के रूप में प्रो. राजेश कुमार सिंह ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। इतिहास विभाग के अध्यक्ष के रूप में प्रो. मनोज तिवारी ने कार्यभार ग्रहण किया।

शिक्षाशास्त्र की संकायाध्यक्ष व विभागाध्यक्ष प्रो. सरिता पांडेय के सेवानिवृत्त होने के बाद प्रो. राजेश सिंह को वरिष्ठता के चक्रानुक्रम में यह जिम्मेदारी दी गई है। प्रो. सरिता पांडेय से कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा और शोध गुणवत्ता पर उनकी प्राथमिकता होगी। इस मौके पर प्रो. उदय सिंह, प्रो सुनीता दूबे, डॉ. राजेश सिंह, डॉ मीतू सिंह, डॉ अनुपम सिंह, डॉ. दुर्गेश पाल, डॉ लक्ष्मी जायसवाल, डॉ स्वर्णिमा सिंह., प्रो. एसके सिंह, प्रो. अनिल यादव, प्रो. सतीश चन्द्र पांडेय, प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी, प्रो. सुधीर श्रीवास्तव, प्रो. निखिल कांत शुक्ल, डॉ सत्यपाल सिंह समेत अन्य ने बधाई दी।

Nirbhik India

जीएसटी काउंसिल की तर्ज पर गठित हो एग्रीकल्चर काउंसिल : पत्रकार संजीव मुखर्जी

गोरखपुर, संवाददाता- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में आज प्रो. मनोज तिवारी ने नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया. निवर्तमान अध्यक्ष प्रो. चंद्रभूषण गुप्त 30 जून को अपना कार्यकाल

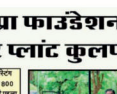

इतिहास विभाग के अध्यक्ष बने प्रो. मनोज तिवारी

पूरा कर आज प्रो. मनोज तिवारी को कार्यभार सौंपा, इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विविध विभागों के आचार्यों ने उन्हें बधाई दी. इसी क्रम में उन्होंने विभाग के सदस्यों के साथ मानवीय कुलपति से शिष्टाचार भेंट किया. उन्होंने अध्यक्ष के रूप में अपना विजन स्पष्ट करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध, संवाद व समग्र अकादमिक वातावरण का विशेष तरजीह दी जाएगी. कक्षाओं के साथ - साथ सिंडिकेशन व संगोष्ठी आदि के माध्यम से विभाग को और अधिक वाइब्रेन्ट बनाया जाएगा।

प्रो. राजेश कुमार सिंह ने ग्रहण किया अधिष्ठाता व अध्यक्ष पद का कार्यभार

गोरखपुर, संवाददाता- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कला संकाय परिसर में सोमवार को प्रो. राजेश कुमार सिंह ने अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता पद का कार्यभार ग्रहण किया। प्रो. राजेश कुमार सिंह को कार्यभार सौंपा गया। इस अवसर पर प्रो. सरिता पांडेय का कार्यकाल समाप्त हो गया है। प्रो. राजेश कुमार सिंह को कार्यभार सौंपा गया। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात पूर्व अध्यक्ष व नवनिर्वाचित अध्यक्ष और अपने विभाग के समस्त अध्यापकों के साथ कुलपति प्रो. पूनम टंडन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रो. सरिता पांडेय, प्रो. उदय सिंह, प्रो. सुनीता दूबे, डॉ. मीतू सिंह मौजूद रहे। संवाद

Swatantra Chetna Page - 04

ऐश्वा फाउंडेशन ने लगाया आरओ वाटर प्लांट कुलपति ने किया उद्घाटन

- वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक से युक्त 800 लीटर क्षमता का है यह वाटर प्लांट, छात्र-छात्राओं के साथ कर्मचारियों को भी मिलेगा पीने का पानी पानी पानी

प्रो. मनोज तिवारी ने इतिहास विभाग के अध्यक्ष का ग्रहण किया कार्यभार

गोरखपुर (एसएनबी)। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में सोमवार को प्रो. मनोज तिवारी ने नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। निवर्तमान अध्यक्ष प्रो. चंद्रभूषण गुप्त 30 जून को अपना कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। उन्होंने प्रो. मनोज को कार्यभार सौंपा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विविध विभागों के आचार्यों ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने अध्यक्ष के रूप में अपना विजन स्पष्ट करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध, संवाद व समग्र अकादमिक वातावरण का विशेष तरजीह दी जाएगी। कक्षाओं के साथ - साथ सिंडिकेशन व संगोष्ठी आदि के माध्यम से विभाग को और अधिक वाइब्रेन्ट बनाया जाएगा।

प्रो. राजेश कुमार सिंह ने ग्रहण किया अधिष्ठाता व अध्यक्ष पद का कार्यभार

गोरखपुर (एसएनबी)। शिक्षाशास्त्र विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने सोमवार को अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। रविवार को प्रोफेसर सरिता पांडेय का कार्यकाल समाप्त हो गया है। उन्होंने प्रोफेसर राजेश सिंह को कार्यभार सौंप दिया। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात पूर्व अध्यक्ष व नवनिर्वाचित अध्यक्ष और अपने विभाग के समस्त अध्यापकों के साथ कुलपति प्रो. पूनम टंडन से मिलने पहुंचे। कुलपति ने उन्हें बधाई देने के साथ कार्य को सकुशल सम्पन्न करके के लिए शुभकामनायें भी दिया। इस अवसर पर विभाग के आचार्य प्रो. उदय सिंह, प्रो. सुनीता दूबे, डा.मीतू सिंह, डा. अनुपम सिंह, डा. दुर्गेश पाल, डा.लक्ष्मी जायसवाल आदि मौजूद रहे। सभी ने उन्हें बधाई भी दिया।